पाठ-२

बगुला भगत

STUDY NOTES

प्रतिपाद्य विषय

'बगुला भगत' एक लोक-कथा है। इसमें बगुला अपना स्वार्थ पूरा करने के लिए तालाब सुखने से पहले मछलियों को दूसरे तालाब में सुरक्षित पहुँचाने का ढोंग रचंता है। बगुला अपनी चालाकी से मछलियों को नए तालाब का लालच देकर अपना शिकार बना लेता है। एक-एक कर सभी मछलियाँ उसकी बातों में आ जाती है। अंत में तालाब में एक केकड़ा बचता है। वह उसे भी अपना शिकार बनाना चाहता है, परंतु केकड़ा अपनी सूझ-बूझ के कारण न केवल बच जाता है वरन् धूर्त बगुले को भी मार देता है।

अभ्यास के लिए

मौखिक

१. श्रुतलेख एवं उच्चारण अभ्यास-

मौसम	मछलियाँ	धूर्त	दुष्ट	साधु	चिंतित
कुशल	मृत्यु	विश्वास	प्रभावित	चट्टान	हड्डियों

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

२. कम-से-कम शब्दों में उत्तर दीजिए-

क) मछलियाँ कहाँ रहती थीं ?

उ: मछलियाँ तालाब में रहती थीं।

ख) तालाब के किनारे कौन रहता था ?

उ: तालाब के किनारे एक धूर्त और दुष्ट बगुला रहता था।

ग) बगुला मछलियों को कहाँ ले जाकर मारता था ?

उ: बगुला मछलियों कों दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान के पास ले जाकर मारता था।

घ) मछलियाँ बगुले को क्या कहकर पुकारती थी ?

उ: मछलियाँ बगुले को मामा कहकर पुकारती थीं।

लिखित

१. कहानी के आधार पर निम्नलिखित वाक्यों के आगे क्रम संख्या लिखिए-

क) "मैं एक-एक करके तुम सबको अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आऊँ।" (२)

ख) धूर्त और दुष्ट व्यक्ति सदा सुखी नहीं रहते। (७)

ग) चट्टान के पास मछलियों की हड्डियों का ढेर लग गया। (४)

घ) बगुला पीड़ा से कराह उठा। (६)

ङ) एक तालाब में पानी सुखता जा रहा था। (१)

च) "मैं तुम्हारी चोंच में दबकर नहीं चल सकता। कहो तो गरदन पर बैठकर चलूँ?" (५)

छ) मछलियाँ धूर्त बगुले की चाल में आ गईं। (३)

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

क) बगुला तालाब के किनारे किसका वेश बनाकर बैठा था और वह क्या सोच रहा था?

उ: बगुला तालाब के किनारे साधु का वेश बनाकर बैठा था। तालाब के किनारे बैठा बगुला तालाब की मछलियों से अपना पेट भरने का उपाय सोच रहा था।

ख) मृत्यु के मुख से बचने के लिए बगुले ने मछलियों को क्या उपाय बताया?

उ: बगुले ने मछलियों को मृत्यु के मुख से बचने का यह उपाय बताया कि वह एक-एक करके सभी मछलियों को अपनी चोंच में पकड़कर दूर एक बड़े तालाब में छोड़ आएगा।

ग) बगुला मछलियों का क्या करता था?

उ: बगुला तालाब में से एक मछली ले जाता और दूर जंगल में एक बड़े तालाब के किनारे बड़ी चट्टान पर बैठ उसे मारकर खा जाता।

घ) केकड़ा बगुले की धूर्तता से कैसे परिचित हुआ? उसने अपनी जान कैसे बचाई?

उ: केकड़ा चालाक था। उसे बगुले पर विश्वास नहीं था, इसलिए उसने शर्त रखी कि वह बगुले की गरदन पर बैठकर चलेगा। जब केकड़ा चट्टान के पास पहुँचा, तो हड्डियों के ढेर को देखकर सब कुछ समझ गया। उसने बगुले की गरदन में डंक गड़ाए और उसे तालाब तक चलने पर मजबूर कर दिया। तालाब के किनारे पहुँच उसने बगुले की गरदन दबाकर उसे खतम कर दिया। इस प्रकार अपनी सूझ-बुझ से केकड़े ने अपनी जान बचाई।

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow

३. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक लिखिए-

क) प्रस्तुत कहानी हमें क्या संदेश देती है? अपने शब्दों में विस्तार से लिखिए।

उ: प्रस्तुत कहानी हमें संदेश देती है कि कभी किसी का बुरा नहीं करना चाहिए। बुराई का अंत बुरा होता है। धूर्त और दुष्ट व्यक्ति का अंत बुरा होता है। बुद्धिबल से ही दुष्ट की समाप्ति की जाती है। बिना सोचे-विचार किसी की बात पर विश्वास नहीं करना चाहिए। विवेक सहारा लेकर अछे-भले मछलियों को नए तालाब का लालच देकर अपना शिकार बना लेता है। सभी मछलियाँ उसकी बातों में आकर अपनी जान गँवा देती है। अंत में बगुला केकड़े को भी अपना शिकार बनाना चाहता है परंतु केकड़ा अपनी सूझबुझ के कारण केवल बच जाता है। वरन् धूर्त बगुले को भी मार देता है।

ख) किसी को धोखा देना अच्छा होता है या नहीं? तीन-चार वाक्यों में उत्तर लिखिए। (मूल्यपरक प्रश्न)

उ: किसी को भी धोखा देना अच्छी बात नहीं है। धोखा देने वाला कुछ समय के लिए तो सफल हो जाता है परंतु उसकी असलियत एक-न-एक-दिन सबको पता चल ही जाती है। धोखा देने वाले का अंत बहुत बुरा होता है।

भाषा ज्ञान

१. पढ़िए, समझिए और लिखिए-

मछली	-	मछलियाँ	बगुला	-	बगुले
हड्डी	-	हड्डियाँ	केकड़ा	-	केकड़े
कली	-	कलियाँ	हवा	-	हवाएँ
नदी	-	नदियाँ	दिशा	-	दिशाएँ
नाली	-	नालियाँ	चर्चा	-	चर्चाएँ

२. निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द तालिका में से ढूँढ़कर लिखिए-

(तेज, रात, जीवन, बुरा, सरदी, गलत, प्रसन्न, पास)

गरमी	-	सरदी	दिन	-	रात
उदास	-	प्रसन्न	धीरे	-	तेज
मृत्यु	-	जीवन	दूर	-	पास
भला	-	बुरा	ठीक	-	गलत

३. व्यक्तिवाचक, जातिवाचक और भाववाचक संज्ञा से रिक्त स्थान भरिए-

(गरमी, मछलियों, हरिकृष्ण देवसरे)

क) .... का मौसम था।

ख) .... ने घबराकर कहा।

ग) इस कहानी के लेखक का नाम .... है।

उ: (क) गरमी, (ख) मछलियों, (ग) हरिकृष्ण देवसरे

♦♦♦

ODM EDUCATIONAL GROUP Changing your Tomorrow